अतिवृष्टि से जयपुर शहर में 'बाढ़' के हालात : कहीं सड़कें जलमग्न हुईं तो कहीं रोड धंसने से बढ़ी लोगों की मुश्किलें

सड़कों पर भारी जलभराव के कारण थम गए वाहनों के पहिये, ट्रेफिक जाम में घंटों तक फंसे रहे लोग

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में बुधवार-गुरूवार की मध्यरात्रि मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए। सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी, निवारू रोड, कालवाड़ रोड, खिरणी फाटक, चौमूं पुलिया, गोपालपुरा बाईपास समेत अधिकांश सड़कें जलमग्न हो गयी। जलमहल का पानी भी सड़क पर आ गया। वहीं मुरलीपुरा में दादी का फाटक और झोटवाड़ा में कामानी रोड पर सड़क धंसने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गयी। वहीं कई कॉलोनियों में सीवरेज लाइन के चैंबर भी जमीन में बैठ गए। सड़कों पर भारी जलभराव के कारण वाहनों के पहिये भी थम गए। जो वाहन जहां थे, वहीं खड़े रह गए। सड़कों पर बाइक, कार व बसें डूबी नजर आयी। इस कारण शहर में दिल्ली-अजमेर हाईवे और शहर के अधिकांश इलाकों में सड़कों पर दिनभर ट्रेफिक जाम लगा रहा। सीकर रोड पर पानी भरने के कारण कई वाहन फंस गए। वहीं झोटवाड़ा से जयपुर शहर की ओर आने वाली नई एलिवेटेड रोड और सर्विस रोड पर भी लंबा जाम लगा रहा।

तेज बारिश के कारण शहर के निचले इलाकों

- **तेज बारिश के कारण इमारतों के बेसमेंट और कई दुकान व घरों में पानी घुसा, लोगों की शिकायत के बावजूद भी नहीं पहुंचे सरकारी मडपंप**

में जलभराव के कारण हालात ज्यादा खराब है। बुधवार देर रात विश्वकर्मा इलाके स्थित ध्वज नगर के एक मकान में बेसमेंट में बरसात का पानी भरने के कारण 3 लोगों की डूबने से मौत की घटना के बाद लोग यहां से अन्यत्र शिफ्ट होने लगे है। जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने भी शहर में जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर जायजा लिया। भारी वर्षा के कारण शहर की अधिकांश इमारतों, दुकान-मकानों में पानी घुस गया, लोगों की शिकायत के बावजूद भी जिला प्रशासन के मडपंप नहीं पहुंचे। ऐसे में लोगों ने स्वयं के स्तर पर ही बूस्टर मोटर खरीदकर पानी बाहर निकाला।

बताया जा रहा है कि विश्वकर्मा में रोड नंबर 17 स्थित ध्वज नगर के 12 से ज्यादा मकानों में बारिश का पानी भर गया। यहां हालात इतने बिगड़ गए कि लोग अपने घर खाली कर दूसरी जगहों पर चले गए। कुछ लोग मजबूरी में अपने घर की ऊपरी मंजिल और दूसरों के घरों पर रह रहे हैं। इन लोगों की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द इस बदहाल स्थिति को ठीक कर ड्रेनेज सिस्टम की पुख्ता व्यवस्था करें, वरना कभी भी सैकड़ों लोग मिट्टी में दबकर दम तोड़ देंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर बारिश में इस पूरे इलाके में यही हालात हो जाते हैं। हम पिछले 25 सालों से यहां रह रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने कभी सुध नहीं ली। पास ही विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया है, इसकी वजह से नालों का गंदा पानी पूरी कॉलोनी में आ जाता है। सालों से यहां नेता आते हैं, वादे करते हैं और भूल जाते हैं। समाधान के नाम पर कुछ नहीं होता।

सड़क ऊंची और मकान नीचे

ध्वज नगर में 12 से ज्यादा घरों में डबल बेसमेंट बने हैं। यहां सभी घरों में पानी भरा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले सड़क काफी नीचे थी, तब हमारा घर बना था, लेकिन धीरे-धीरे सड़क की ऊंचाई बढ़ती गई और हमारा घर गड्ढे में आ गया। इसके बाद बारिश का पानी हर बार हमारे घरों में आ जाता है। कल रात भी इसी तरह अचानक पानी घर में आ गया। इसके बाद पानी के साथ मिट्टी और कचरा भी घर में भर गया।

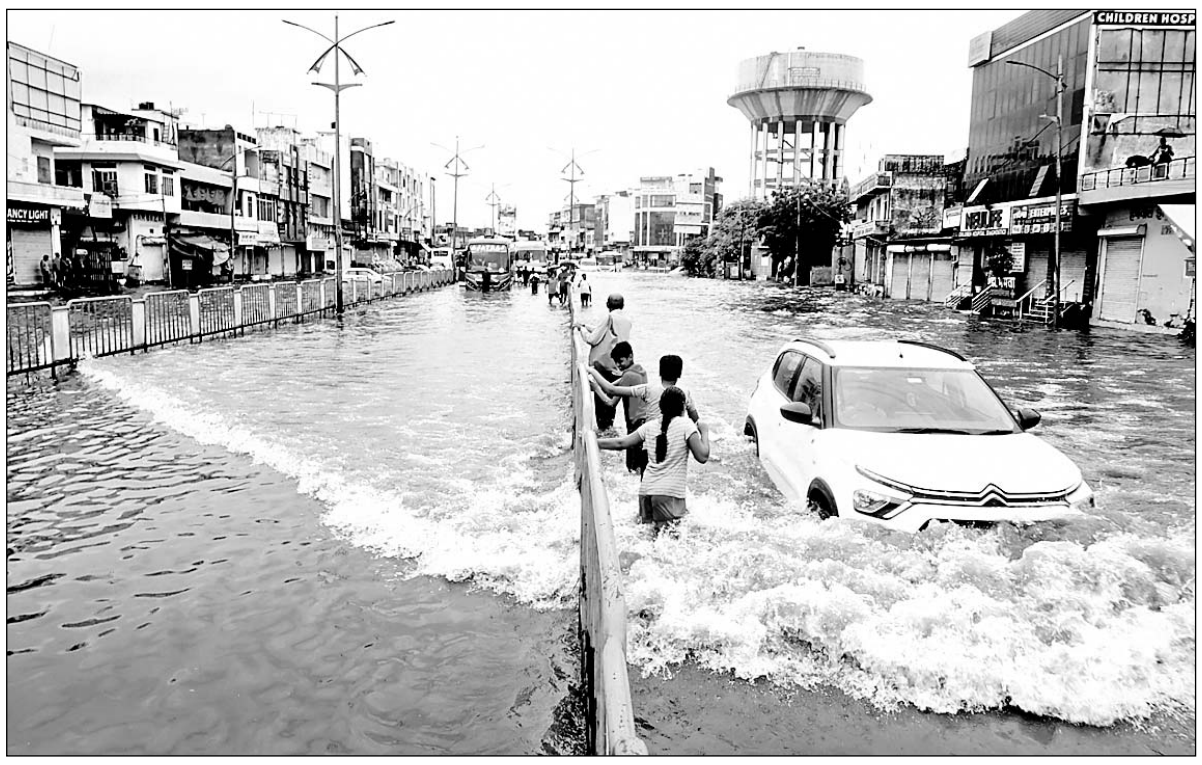

राजधानी जयपुर में तेज बारिश के कारण सीकर रोड स्थित ढहर के बालाजी क्षेत्र में गुरूवार सुबह मुख्य सड़क नदी की तरह बहती दिखी। इस दौरान यहां से गुजर रहे कई वाहन पानी के बीच में ही फंस गए, जिन्हें लोगों ने धक्का देखकर बाहर निकाला। फोटो-राष्ट्रदूत

दुकान-मकानों में पानी भरा

खातीपुरा रोड पर बारिश के बाद हालात भयावह हो गए। बेसमेंट की दुकानों में तीन से चार सीट तक पानी भर गया। लोग पंप मंगवाकर पानी खाली करवा रहे हैं। इस पूरे इलाके में 12 से ज्यादा दुकानों में पानी भरा है। इसकी वजह से करीब एक से डेढ़ करोड़ रुपए तक के नुकसान का आकलन किया जा रहा है। दुकानदारों ने बताया कि खराब ड्रेनेज सिस्टम होने की वजह से पूरे इलाके की दुकानों में पानी आ गया है। आज सुबह जब हम दुकान पहुंचे तब पता चला कि सारा सामान सीवरेज के पानी में डूब गया है। इसे अब खाली करवाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं की जा रही है।

सीवरेज के चैंबर उफने

जयपुर चारदीवारी में मानसून की मूसलाधार बारिश के बाद सड़कें तालाब बन गई। चांदी की टकसाल, कवर नगर, सुभाष चौक, जोरावर सिंह गेट समेत चारदीवारी के प्रमुख बाजारों में दो से तीन फीट तक पानी भर गया। इस दौरान वाहनों की आवाजाही के कारण सड़कों पर बह रहा सीवरेज का गंदा पानी दुकानों में घुस गया। इससे दुकानों में रखा लाखों रुपए का माल खराब हो गया है।

स्थानीय व्यापारी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि हर साल बारिश के बाद यहां इसी तरह के हालात होते हैं। कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हर साल नगर निगम के लोग नालों की सफाई से लेकर ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त करने के दावे करते हैं, लेकिन मानसून की एक दमदार बारिश ही इन दावों की पोल खोल कर रख देती है। इससे यहां रहने वाली जनता और यहां काम करने वाले व्यापारियों को हर साल लाखों रुपए का नुकसान हो जाता है। दुकानों के साथ घरों में पानी घुस जाता है। देवालय भी सीवरेज के पानी से दूषित हो जाते हैं, लेकिन शासन और प्रशासन को जनता की समस्या से कोई फर्क नहीं पड़ता है। नेता-अधिकारी आंखें बंद कर बैठे हुए हैं।

जलमहल का पानी सड़क पर

जलमहल की पाल और सड़क पर पानी एक लेवल पर आ गया। इससे पाल पर बनी जालियों को भारी नुकसान हुआ। जलमहल की पाल पर जगह-जगह गंदगी का ढेर भी लग गया। इसके कारण बदबू आने लगी है और यहां आने वाले पर्यटकों को बदबू से परेशान होना पड़ रहा है। अजमेर रोड स्थित कमला नेहरू नगर में सड़क पर 3 फीट तक पानी भर गया। इससे सड़क पर चलने वाली कार पानी में तैरने लगी और ड्राइवर कार पर अपना कंट्रोल खो बैठा। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने पानी में बहती कार को धक्का देकर बाहर निकाला।

अंडरपास में पानी भरा, आवाजाही अवरूद्ध

सहकार मार्ग स्थित जेपी फाटक अंडरपास में 7 फीट तक पानी भर गया। इसकी वजह से सहकार मार्ग से महेश नगर, जेपी कॉलोनी समेत 6 से ज्यादा कॉलोनी को जोड़ने वाले अंडरपास में वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। हालात इतने बिगड़े कि अंडरपास से पैदल आवागमन को भी बंद करना पड़ा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर बार बारिश में इस अंडरपास के हालात ऐसे ही हो जाते हैं, लेकिन प्रशासन कोई ध्यान नहीं देता। इसकी वजह से हम जैसे बुजुर्गों को परेशान होना पड़ता है। आज सुबह भी यहां काफी वाहन चालक फंस गए, लेकिन प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने ही पत्थर और लकड़ियां रखकर रास्ता बंद किया।

द्रव्यवती नदी उफान पर

गोपालपुरा बाइपास पर घुटनों से ऊपर तक पानी भर गया। द्रव्यवती नदी उफान मारकर बहने लगी, जिसके बाद दुर्गापुरा स्थित महारानी फार्म पर बने रैंप पर वाहनों की वाहजाही को रोककर उसे बीटू बाइपास और रिद्धी-सिद्धी-मानसरोवर कनेक्टिंग रोड पर बने हाइलेवल ब्रिज से डायवर्ट किया गया।

बीसलपुर बांध में आया पानी

बीसलपुर बांध के कैचमेंट एरिया में बारिश से आज सुबह बांध का गेज बढ़ गया। यहां करीब 3 सेमी. गेज बढ़ा। वर्तमान में बांध का गेज 310.15 आरएल मीटर है, जबकि कल बांध का गेज 310.14 आरएल मीटर था। जयपुर, अजमेर को पानी सप्लाई होने के कारण हर रोज बांध का गेज 2 सेमी. कम हो रहा है। वर्तमान में बांध करीब 29 फीसदी भर गया है।

सचिवालय में छत टपकी

शहर में हुई तेज बारिश ने सचिवालय के पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की पोल खोल दी है। सचिवालय के कई कमरों में छतों से पानी टपका, जिसकी वजह से कई महत्वपूर्ण फाइल है पानी में भीग गई। इतना ही नहीं कई कंप्यूटर में भी पानी भर गया और अधिकारियों के बैठने वाली कुर्सियां भी गीली हो गई, हालात यह है कि कई कमरों में तो जर्जर हो चुकी छत के प्लास्टर गिरने की कगार पर है बताया जा रहा है कि सचिवालय के कई कमरे जर्जर अवस्था में है। छतों से प्लास्टिक गिरने की कगार पर है। प्लास्टर गिरने के अंदेशे से कर्मचारी अपनी कुर्सी पर बैठने से भी डर रहे हैं।

आईसीयू में फॉल सिलिंग गिरी

बारिश के चलते सवाई मानसिंह अस्पताल के आईसीयू में फॉल सीलिंग गिर गई। इसके अलावा नॉर्थ और साउथ विंग के बेसमेंट में भी पानी भर गया है। अस्पताल के सेठिया मेडिकल आईसीयू और न्यू मेडिकल आईसीयू में भी पानी भरा है। मामले को लेकर चिकित्सा स्वास्थ्य जयपुर जोन के संयुक्त निदेशक डॉ. नरोत्तम शर्मा का कहना है कि राजधानी में लगातार बारिश देखने को मिल रही है और इसे लेकर जयपुर मुख्यालय और जोन के सभी चिकित्सालयों को वर्षा जनित परेशानियों से निपटने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

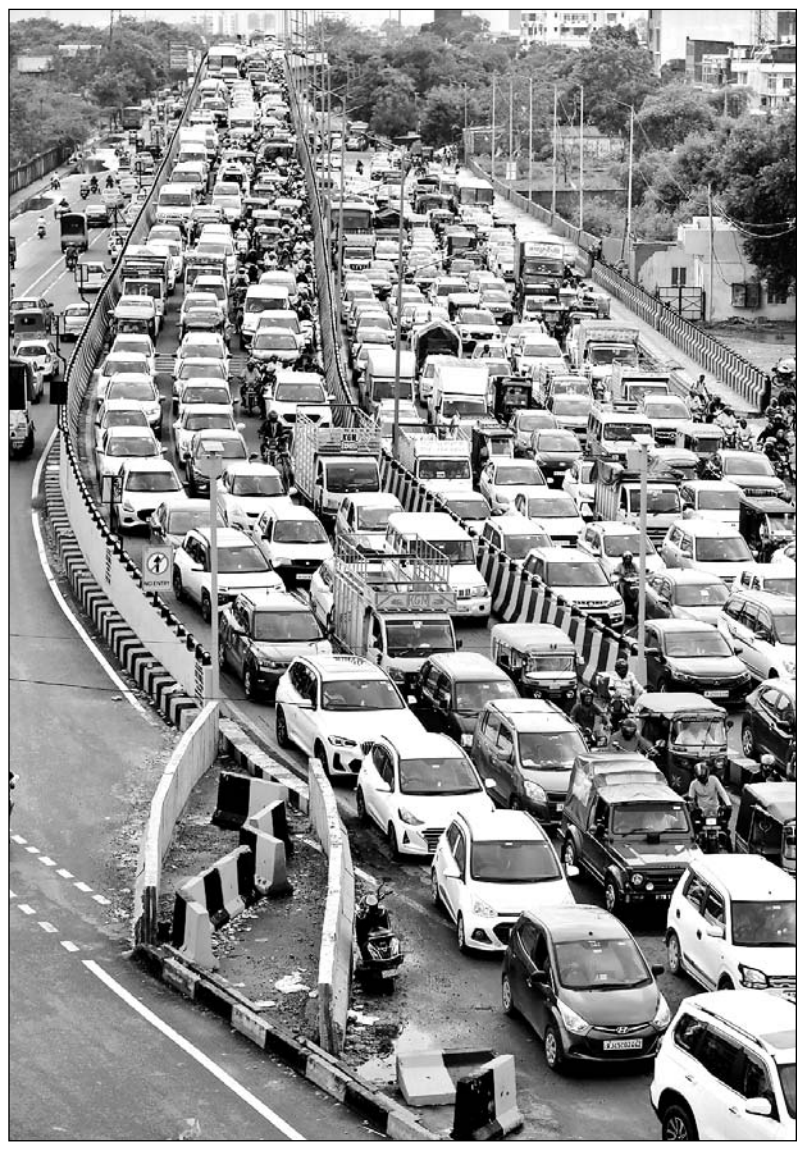

शहर में तेज बारिश से सड़कों पर भारी जलभराव के कारण आवाजाही अवरूद्ध हो गयी। सीकर रोड और झोटवाड़ा एलिवेटेड रोड से आने वाले वाहन जब एक साथ पानीपेच मोड पर इकठ्ठा हुए तो यहां कई किलोमीटर लंबी लाइन लग गई। काफी देर तक ट्रेफिक जाम में फंसे रहने के कारण लोगों को काफी परेशानी हुई, बाद में पुलिस और कई वाहन चालकों ने सूझबूझ दिखाकर बड़ी मशक्कत के बाद यातायात सुचारू करवाया। फोटो-राष्ट्रदूत

मुरलीपुरा इलाके में दादी का फाटक के पास बुधवार-गुरूवार की मध्यरात्रि तेज बारिश के कारण मुख्य सड़क धंस गई। मिट्टी कटाव के कारण डामर रोड भरभराकर जमीन में बैठ गई। गनीमत रही कि उस वक्त कोई भारी वाहन यहां से नहीं गुजर रहा था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

कहासुनी के बाद युवक के सीने में घोंपी कैंची

जयपुर (कासं)। जयसिंहपुरा खोर इलाके में आपसी कहासुनी के बाद एक युवक ने साथी के सीने में कैंची से वार कर घायल कर दिया। घायल युवक का एसएमएस अस्पताल में उपचार जारी है। युवक की अपने पार्टनर से हिसाब-किताब को लेकर कहासुनी हुई थी।

- **युवक की पार्टनर से हिसाब-किताब को लेकर कहासुनी हुई थी**

पुलिस ने बताया कि संजय कॉलोनी जयसिंहपुरा खोर निवासी आरिफ (36) पर जानलेवा हमला हुआ है। वह परिवार के साथ यहां रहकर कपड़े रंगाई का काम करता है। इसमें पड़ोसी उस्मान उर्फ लाखन उसका पार्टनर है। हॉस्पिटल में भर्ती आरिफ ने पुलिस को पर्चा बयान में बताया कि 26 जुलाई को वह उस्मान उर्फ लाखन के पास हिसाब करने गया था। हिसाब के समय उसका जीजा इमरान और लाखन का भांजा सद्दाम व साकिर खान मौजूद थे।

हिसाब करते समय आरोपी उस्मान उर्फ लाखन से कहासुनी हो गई। बाद में हिसाब करने की कहकर आरोप उस्मान ने वहां से जाने की कहा। हिसाब तो बाद में भी करना पड़ेगा कहने पर उस्मान गुस्से से आग बबूला हो गया। उसने पास ही रखी बड़ी लोहे की कैंची उठाकर आरिफ पर हमला कर दिया। आरोपी उस्मान ने आरिफ के सीने में कैंची घोंपकर लहूलुहान कर दिया। वहां मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर उसकी जान बचाई। मेडिकल सूचना पर जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस मौके पर हॉस्पिटल पहुंची।

उधर, दौलतपुरा इलाके में कार सवार बदमाशों ने एक ऑफिस में घुसकर तोड़फोड़ की। बदमाश लाठी-सरियों से लैस होकर आए थे। बदमाशों ने कार्यालय में मौजूद कर्मचारी से भी जमकर मारपीट की। घटना ऑफिस में लगे सीसीटीवी फुटेज कैद हो गई।

हेड कांस्टेबल राजेश कुमार ने बताया कि हनुमानपुरा दौलतपुरा निवासी आनंद सिंह (35) ने मामला दर्ज करवाया कि भगवान नगर में उनका जेवी इस्टरट्री के नाम से सीएनसी कटिंग का ऑफिस है। बुधवार शाम उनके ऑफिस में वर्कर देवराज गुर्जर बैठा था। इसी दौरान 3-4 कार आकर ऑफिस के पास रुकी। कार में बैठे करीब 20 लोग उतरकर ऑफिस में पहुंचे। डंडे-सरिए से लैस हमलावरों ने ऑफिस में घुसते ही वर्कर देवराज गुर्जर से मारपीट की।

उसके बाद ऑफिस में रखे सामान में डंडे-सरिए से तोड़फोड़ की। जिसके बाद हमलवार कार में बैठकर फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि फुटेज के आधार पर हमलावर करने वाले मोहन सिंह और भवानी सिंह को वह पहचानता है। पुलिस फुटेज के आधार पर हमलावरों की तलाश कर रही है।

हिस्ट्रीशीटर नकबजन पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी)ने चित्रकूट इलाके में हुई नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए शातिर नकबजन प्रवीण कुमार उर्फ मोन्टू को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित के कब्जे से नकबजनी का लगभग 12 तोला सोने की ज्वेलरी, चांदी लगभग 450 ग्राम के ज्वेलरी, आर्टिफिशियल की ज्वेलरी का अन्य सामान, दुपहिया वाहन एवं नकबजनी की वारदात में प्रयुक्त नकब बरामद किया है।

गिरफ्तार आरोपित पुलिस थाना अलवर गेट जिला अजमेर का सक्रिय हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। गिरफ्तार आरोपित से नकबजनी में लगभग 10 लाख का चोरी का सामान बरामद किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि चित्रकूट इलाके में हुई नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए शातिर नकबजन प्रवीण कुमार उर्फ मोन्टू (40) निवासी अलवर गेट जिला अजमेर हाल फागी जिला जयपुर किया है। गिरफ्तार आरोपित प्रवीण कुमार उर्फ मोन्टू नकबजनी की वारदात एवं नशा करने का आदि है।

आरोपित सूने मकानों की रेकी करके अकेला ही वारदात करता है, पुलिस थाना अलवर गेट जिला अजमेर का हिस्ट्रीशीटर है। जिसके विरुद्ध लगभग 23 प्रकरण चोरी, नकबजनी एवं मारपीट के प्रकरण दर्ज है। गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ में और भी वारदातें खुलने की संभावना है।

भू-जल प्रबंध प्राधिकरण बिल सिलेक्ट कमेटी को भेजा गया

जयपुर (विसं)। राजस्थान में ट्यूबवेल खुदाई पर रोक वाले बिल पर राज्य सरकार ने विधानसभा में यू-टर्न लेते हुए इसे विधानसभा की सिलेक्ट कमेटी को भेजने का फैसला किया है।

- **राजस्थान में ट्यूबवेल खोदने पर रोक वाले बिल पर सरकार ने सदन में यू-टर्न लिया**

दरअसल भू-जल प्रबंध प्राधिकरण बिल को गुरुवार को विधानसभा में पारित करवाना था, लेकिन बिल पर बहस जैसे ही आगे बढ़ी तो बीजेपी विधायकों ने इसके प्रावधानों पर सवाल उठा दिए। बहस पूरी होने से पहले ही सरकार ने इसे सिलेक्ट कमेटी को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसके बाद स्पीकर ने इसे विचार के लिए कमेटी को भेज दिया है।

दरअसल, बीजेपी के ही विधायकों ने ही इसके प्रावधानों पर सवाल उठाए थे। वहीं, डोटासरा ने कहा कि "सौ जूते और सौ प्याज" एक साथ खाने की जरूरत कहां थी, जब तैयारी नहीं थी तो बिल लेकर आने की जरूरत कहां थी। अब इस बिल पर विधानसभा की सिलेक्ट कमेटी विचार करेगी। सिलेक्ट कमेटी इसके विवादित प्रावधानों को बदलकर अपनी सिफारिशों के साथ रिपोर्ट देगी। सिलेक्ट कमेटी इस पर जितना चाहे उतना समय लगा सकती है। बिल को सिलेक्ट कमेटी को भेजने से अब भूजल प्रबंध प्राधिकरण को ठंडे बस्ते में डालने से जोड़कर देखा जा रहा है। अब तक विधानसभा की सिलेक्ट कमेटी में भेजे गए ज्यादातर बिल वापस आना मुश्किल ही होता है। पहले भी जमीनी पानी के रेगुलेशन के लिए प्राधिकरण बनाने के प्रयास हुए थे, लेकिन यह धरातल पर नहीं आ पाया था।

ज्ञात रहे कि भूजल प्रबंध प्राधिकरण बनाकर जमीन से पानी के दोहन पर रोक लगाने के कई प्रावधान किए जा रहे थे। भूजल प्रबंधन प्राधिकरण से एनओसी लिए बिना ट्यूबवेल खोदने पर रोक लगाने का प्रावधान था।

निजी इंडस्ट्रीज और घरेलू ट्यूबवेल खुदाई पर भी रोक का प्रावधान था। जमीन से पानी निकालने पर कई तरह की राशनिंग करते हुए बहुत सी पाबंदियों के प्रावधान थे। उद्योगों के लिए जमीन से पानी निकालने पर टैक्स लेने और उनमें टेली मीट्रिक डिजिटल वाटर मीटर लगाए जाने का प्रावधान था।

भूजल प्रबंध प्राधिकरण बनने के बाद जमीन से पानी निकालने के लिए एनओसी लेने का प्रावधान था। बिना प्राधिकरण की एनओसी के ट्यूबवेल खोदने पर जुर्माने का प्रावधान किया था। पहले डार्क जोन में ट्यूबवेल पर रोक थी, पीएचईडी के अलावा कोई ट्यूबवेल नहीं खोद सकता था। गहलोत सरकार ने किसानों और निजी प्रयोग के लिए ट्यूबवेल पर लगी रोक और एनओसी के प्रावधान को खत्म कर दिया था।

होटल ग्रैंड उनियारा में अवधि पार खाद्य सामग्री नष्ट कराई

जयपुर (कासं)। प्रदेश में मिलावट के खिलाफ अभियान के तहत गुरूवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जेएलएन मार्ग पर त्रिमूर्ति सर्किल स्थित होटल ग्रैंड उनियारा में निरीक्षण के दौरान कई अनियमितताएं मिलने पर अवधिपार खाद्य सामग्री नष्ट कराई।

अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि होटल के किचन और स्टोर में निरीक्षण करने पर अनेक अनियमितताएं मिलीं। फ्रिज में गंदगी के साथ ही तेज बदबू आ रही थी। पत्ता गोभी, मशरूम सहित अन्य सब्जियां खराब पाई गईं। चावल चार दिन पहले ही बना कर रखे हुए थे। उन्हें ग्राहकों को परोसे जाने की तैयारी थी। बहुत पुराना मांस पका कर फ्रीज में रखा हुआ था। मांस पर फफूंद जमी हुई थी जिसे काम में लिया जा रहा था। खराब ड्राई फ्रूट के साथ ही मल्टी ग्रेन आटा, मंगोड़ी, शर्बत व सॉस सहित काफी सारी खाद्य सामग्री अवधिपार पाई गई।

खाद्य विभाग की टीम ने इन्हें मौके पर ही नष्ट करवाया। वहीं जंग लगी हुई अलमारियों में फूड लाइसेंस की शर्तों के विपरीत खाद्य सामग्री स्टोर की हुई मिली। स्टोर में भयंकर गंदगी मिली। खराब मशरूम प्याज, पत्ता गोभी, पोदीना, फूल गोभी आदि मिले, जिनको नष्ट करवा दिया गया। मौके पर बहुत से खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए हैं और जांच के लिए भेजे गए हैं। निरीक्षण करने वाली टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेश, रतन गोदारा व अवधेश गुप्ता शामिल रहे।

सार-समाचार

आरटीडीसी की बंद इकाइयों को फिर से शुरू करने के प्रयास : मंजू बाघमार

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विधायक महेंद्र पाल मीणा के प्रश्न पर सार्वजनिक निर्माण राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि सरकार द्वारा राजस्थान पर्यटन विकास निगम की बंद पड़ी इकाइयों को दुबारा शुरू करने के लिए पुराने नियमों में संशोधन किया जाएगा। डॉ. बाघमार ने कहा कि वर्तमान में लागू वर्ष 1997 के नियमों के तहत इन इकाइयों को ऑपरेशन्स एण्ड मेंटेनेंस के आधार पर संचालित करने का प्रावधान नहीं है। राज्य सरकार द्वारा इन नियमों में परिवर्तन करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि जमवारामगढ़ में झील टूरिस्ट विलेज, रामगढ़ को फिर से शुरू करने के प्रयास किये जा रहे हैं। रामगढ़ बांध सूखने के कारण यह निरंतर घाटे में चल रहा था। वर्ष 2017 में आरटीडीसी द्वारा इसका संचालन बंद कर दिया गया।

पेड़ काटने वाले निलंबित होंगे : दिलावर

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विधायक इन्द्रा के प्रश्न पर पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि पंचायत समिति बामनवास परिसर के पेड़ों को बिना प्रशासन की अनुमति के काटने के जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निलंबित किया जाएगा। दिलावर ने पंचायत समिति बामनवास की कुछ ग्राम पंचायतों द्वारा विभिन्न मदों में स्वीकृत कार्यों में अनियमितता की शिकायतों की भी एक महीने में जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बामनवास पंचायत समिति परिसर में पेड़ काटने की अनुमति मांगी गई थी लेकिन अनुमति नहीं मिलने के बावजूद पेड़ों को काट दिया गया। उन्होंने बताया कि चुरैल के नौ पेड़ काटे गए, सिरस के सात, नीम के तीन, अरडू के दो तथा शीशम के एक पेड़ को बिना अनुमति के काटा गया है।

'समान नागरिक संहिता बनाएगी सरकार'

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में यूसीसी को लेकर विधायक कालीचरण सराफ के सवाल पर कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि भजनलाल सरकार उत्तराखंड की तर्ज पर राजस्थान में यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए बिल लाएगी। पटेल ने कहा कि राज्य सरकार इस विषय में विचार कर रही है। सभी पहलुओं पर विचार करके सरकार की तरफ से उचित समय पर बिल लाया जाएगा। हालांकि, सरकार ने बिल लाने और यूसीसी लागू करने की समय सीमा के बारे में नहीं बताया है। उत्तराखंड यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने वाला देश का पहला राज्य है।